

पाठ 5: प्रकाशन और ईश्वरीय प्रेरणा

क. सामान्य और विशेष प्रकाशन

1. सामान्य प्रकाशन क्या है? भजन संहिता 19:1, रोमियों 1:20
2. प्रकृति में समय बिताते हुए आपने कब सृष्टिकर्ता परमेश्वर की उपस्थिति को महसूस किया? अपना अनुभव साझा करें।
3. क्या किसी व्यक्ति के लिए परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा किसी विशेष प्रकाशन को प्राप्त किए बिना, केवल सामान्य प्रकाशन के माध्यम से परमेश्वर तक पहुँचना और उद्धार पाना सम्भव है? (रोमियों 2:14-16)
4. इब्रानियों की पुस्तक का लेखक विशेष प्रकाशन का वर्णन किस प्रकार करता है? इब्रानियों 1:1-3
5. यदि हम सामान्य प्रकाशन के द्वारा परमेश्वर को जान सकते हैं, तो फिर परमेश्वर अपने प्रेमपूर्ण स्वभाव और हमारे जीवन के लिए अपनी योजना के बारे में विशेष प्रकाशन भी क्यों देता है? (भजन संहिता 119:105)

ख. विशेष प्रकाशन कैसे कार्य करता है

1. प्रेरित यूहन्ना ने पतमुस द्वीप पर प्राप्त विशेष प्रकाशन की प्रक्रिया का वर्णन किस प्रकार किया? प्रकाशितवाक्य 1:1-2, 10-13
2. विशेष प्रकाशन की प्रक्रिया के बारे में प्रभु ने हारून और मरियम को क्या साक्ष्य दिया? गिनती 12:6-8
3. दर्शनों और स्वप्नों के अतिरिक्त, परमेश्वर ने मानव परिवार को विशेष प्रकाशन प्रदान करने के लिए किन अन्य तरीकों का उपयोग किया? निर्गमन 3:1-6, लूका 1:26-28, यूहन्ना 1:14-18, आदि
4. परमेश्वर ने अपने भविष्यद्वक्ताओं को प्राप्त विशेष प्रकाशनों को लिखित रूप में दर्ज करने की प्रेरणा क्यों दी? (प्रकाशितवाक्य 1:19, यूहन्ना 20:30-31, 1 कुरिन्थियों 10:11, आदि)
5. पवित्र आत्मा से प्रेरित होकर, प्रेरित पौलुस ने पवित्रशास्त्र के बारे में कौन-से साहसिक दावे किए? 2 तीमुथियुस 3:14-17
6. भविष्यद्वक्ता मूसा सृष्टि का सटीक विवरण कैसे लिख सका, जबकि यह घटना उसके जन्म से हजारों वर्ष पहले घटी थी? (2 पतरस 1:19-21)
7. सुसमाचार के लेखकों ने घटनाओं के घटित होने के दशकों बाद भी यीशु के जीवन और शिक्षाओं का सटीक विवरण कैसे लिखा? 1 यूहन्ना 1:1-3, लूका 1:1-3

ग. पवित्रशास्त्र का अनमोल उपहार

1. भजनकार दाऊद ने पवित्रशास्त्र के अनमोल उपहार का वर्णन किस प्रकार किया? भजन संहिता 19:7-10
2. भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह ने पवित्रशास्त्र के अनमोल उपहार का वर्णन किस प्रकार किया? यिर्मयाह 15:16
3. आपने परमेश्वर की ओर से विशेष प्रकाशन के रूप में बाइबल के अनमोल उपहार को कब महत्व देना शुरू किया?
4. पवित्रशास्त्र का कौन-सा भाग आपको विशेष रूप से अर्थपूर्ण लगता है?